भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

(आयुर्वेद, **योग व प्राकृतिक चिकित्सा**, यूनानी, **सिद्ध एवं होम्योपैथी**)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1219

28 जून, 2019 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

आयुष का प्रोत्साहन

1219. **श्री □ण□□□□□ □□□ □ल□□:**
श्री □□□□ □□□□□ □□□□:

क्या आयुर्वेद, योग और **प्राकृतिक चिकित्सा**, यूनानी, **सिद्ध** और होम्योपैथी (आयुष) मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) चिकित्सा की लोकप्रियता संबंधी राष्ट्रीय सांख्यिकीय का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार आयुर्वेद की औषधियों की गुणवत्ता में सुधार हेतु प्रयोगशाला परीक्षण सुविधाओं को प्रोत्साहित करने और इन्हें मान्यता प्रणाली प्रमाणीकरण हेतु नीति बना रही है और यदि हाँ, तो इसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क): आयुष का राष्ट्रीय सांख्यिकी का संक्षिप्त ब्यौरा आयुष मंत्रालय द्वारा प्रत्येक वर्ष प्रकाशित किए जा रहे "आयुष इन इंडिया" संबंधी एक वार्षिक प्रकाशन के माध्यम से नियमित रूप से प्रसारित की जा रही है। प्रकाशन की सॉफ्ट कॉपी मंत्रालय की वेबसाइट: ayush.gov.in/tenders-vacancies-and-annoucements/ayush-india पर उपलब्ध है।

(ii) आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी तथा होम्योपैथी औषधों के गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी कार्यकलापों सहित राज्य औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ करने तथा औषध नियंत्रण तंत्र के सुधार हेतु राज्यों को वित्तीय सहायता मुहैया की जाती है। सितम्बर, 2014 से 2018 तक राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत सहित लगभग 23 राज्य औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं, 15 एएसयूएंडएच फार्मेसियों और 30 औषध नियंत्रण तंत्रों को विभिन्न संविदात्मक जन-शक्ति की सेवा आदि हेतु सहायता प्रदान की गई। एएसयू औषधों के परीक्षण हेतु औषधि और प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 के तहत 58 और निजी औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया है।

(ख): सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) के प्रोन्नयन हेतु केंद्रीय क्षेत्र स्कीम आयुष मंत्रालय आरोग्य मेलों, योग उत्सवों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों, सेमिनारों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, महत्वपूर्ण दिवसों यथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, आयुर्वेद दिवस, यूनानी दिवस, सिद्ध दिवस, प्राकृतिक चिकित्सा दिवस और होम्योपैथी

दिवस को समारोह रूप म मनाने हेतु मंत्रालय पहल करता रहता है तथा इलेक्ट्रॉ□□ा □ि□□, प्रिंट मीडिया □□ □□□□□ □ि□□ □□□ध□म से देश भर म नागरिकों के बीच प्रचार □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□

(ii) राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) का कद्रीय प्रयोजित स्का□ □□□□ □ज□ों/□□ □ज□ क्षेत्रों से प्राप्त □ज□ वार्षिक काय योजना (एसएएपी) के अनुसार आयुष पद्धति के उन्न□□ □□□□ज□ों/□□ □ज□ क्षेत्रों को ि□त□□ □□□□□ □□□ □□□ □□ □□ा □□

□न□ □□ों □□□□-साथ राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) निम्नलिखित के लिए भी प्रावधान करता है:-

i. प्राथमिक स्वास्थ्य कंद्रों (□□□□□), सामुदायिक स्वास्थ्य कंद्रों (□□□□□) और जिला अस्पतालों (□□□□) म आयुष सुविधाओं को सह-स□□□□□

ii. एकमात्र राजकाय आयुष अस्पतालों और औषधालयों का उन्नयन।

iii. 50 बिस्तर तक के एकाकृत आयुष अस्पताल का स्थापना।

iv. राजकाय शैक्षणिक संस्थानों का उन्नयन।

v. उस राज्य म नए राजकाय आयुष शैक्षणिक संस्थानों का स्थापना जहां ये उपलब्ध नहीं ह।

vi. राज्य सरकार/सावर्जनिक क्षेत्र उपक्रमों (□□□□□)□ □□ आयुवद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी (□□□□□□□□□) फार्मासियों और औषध परीक्षण प्रयोगशाला□ □(□□□□) □□ □दृ□□□□□

vii. □□□□ पादपों का कृषि और संवधन।

*****